

17/01/25

पत्रावली पेना हुई वही लयायी एवं प्राची  
स्वयं अनु. कुठि मूलवाद उ अदम परवी /  
अदम हाजरी म शारिज उर विधा है ली  
मन इल आवदन उ आगे चलने उ अइ  
आमित्त नही है इस आवदन उ अमिनाइ  
इसी स्तर पर समाप्त की जाती है पत्रावली  
केवल सुमार बर मूलवाद उ संलग्न बा

A

